

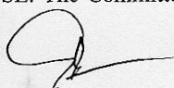
19 जुलाई 2012 को हर्षुल आयुर फार्मा डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी एवं श्री रामचंद्र यूनिवर्सिटी चेन्नई के मध्य एक अग्रिमेंट साइन हुआ जिसमें हर्षुल आयुर फार्मा एवं डिपार्टमेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी भारत सरकार ने रामचंद्र यूनिवर्सिटी को "Scientific Validation of Safety, Protective and Curative Efficacy of a Patented Folklore Medicine "Savliv" Developed for the Management of Hepatic Disorders- A Preclinical Study" विषय पर अनुसंधान करने के लिए वित्तीय सहायता देने का संकल्प लिया, जिसकी अवधि दो वर्ष अनुमानित की गई यह अनुसंधान दिनांक 11 फरवरी 2016 को रिसर्च ऑफिसर डॉ. सरवन बाबू सेक्टर फॉर Toxicology & DEVELOPMENT RESEARCH श्री रामचंद्र यूनिवर्सिटी ने अपने शोध पत्र को वेयर पर्सन एक्सपर्ट कमिटी आफ DPRP श्री DR. G.N. QAZI वाईस चानसलर जामिया हमदद यूनिवर्सिटी एवं डीएसटी की एक्सपर्ट कमिटी के समक्ष प्रस्तुत किया और डीएसटी द्वारा इस मीटिंग के मिनट्स प्रसारित किये गए जो की निम्न हैं-

13 Scientific Validation of Safety, Protective and curative Efficacy of a Patented Folklore Medicine "Savliv" developed for the Management of Hepatic Disorders- A preclinical Study (Collaborative)
-Dr. C. Sarvana Babu, Sri Ramachandra University, Chennai & Shri Vimal Kumar, M/s Harshul Ayur Pharma, Ramnagar (Nanital), Uttarakhand.
VI- D&P/407/2011-12/TDT

Dr. C. Sarvana Babu, PI from Sri Ramachandra University and Sh Vimal Kumar, Managing Director from the industry attended the monitoring meeting. Dr. Sarvana Babu gave detailed presentation of the completed project. The PI has successfully standardized "Savliv" by HPTLC fingerprinting, analysed for heavy metals contents, stability studies and toxicology studies oral acute, sub-acute and chronic. From the studies the following has been observed :

- No treatment related changes or delayed occurrence of toxicity signs were observed in Savliv treatment animals / recovery animals.
- Savliv was found to be well tolerated up to 1000 mg/kg b.wt upon 28 days and 90 days administration in rats.
- Based on the present data, No-Observed-Adverse Effect-Level (NOAEL) of "Savliv" was found to be greater than 1000 mg/kg/day in rats.

A process patent has been granted for "A process for preparation of ayurvedic composition for treatment of hepatic disorder". A research publication titled "Telmisartan attenuates MPTP induced dopaminergic degeneration and motor dysfunction through regulation of α -synuclein and neurotrophic factors (BDNF and GDNF) expression in C57BL/6J mice" - Journal of Neuropharmacology (IF : 4.8) PI submitted Project completion report and UC/SE. The Committee expressed satisfaction for the successful completion of the project.



उपरोक्त शोध

पत्र को स्वीकार करते हुए माना गया कि savliv drops का 1000 mg/kg बॉडी वेट तब भी कोई साइड इफ़ेक्ट नहीं है जबकि यह डोस हर्षुल आयुर फार्मा द्वारा निर्देशित डोस की 1000 गुना है।

इस मीटिंग के दौरान बड़ी ही रोचक घटना घटी जो एक्सपर्ट कमिटी के सदस्य थे वे सब अचंभित थे की 1000 गुना डोस देने के बावजूद एक भी एनिमल की मोरलिटी नहीं हुई इस मीटिंग में संवाद कुछ इस तरह का रहा डॉ. काज़ी के डॉ. सरवन बाबू से पूछा

Dr. Qazi'- How many morality.

Dr. Sarvana Babu- No Morality sir

Dr. Qazi'- What are you saying no morality.

Dr. Sarvana Babu- No morality sir, all the animal healthy and safe please see check list.

डॉ. काज़ी द्वारा चेक लिस्ट चेक की गई और savliv की बिलकुल भी toxicity ना होने पर आश्चर्य जताया और मीटिंग समाप्त हुई।

उपरोक्त सभी प्रमाणों से सिद्ध होता है कि savliv drops का कोई भी हानिकारक प्रभाव नहीं है अर्थात यह औषधि NO SIDE EFFECT है, इस ब्लॉग में हमने आप लोगों को savliv drops के NO SIDE EFFECT होने के प्रमाण दिए हैं इस रिसर्च में यह भी प्रमाणित हुआ है कि इसके अंदर कोई भी हवी मेटल (Cr. Cd. Hg. Pb.) नहीं है और ना ही कोई स्टेरॉयड है।